शिवजी की आरती

ॐ जय शिव ओंकारा, भज हर शिव ओंकारा।

ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

एकानन चतुरानन पंचानन राजे।

हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

दो भुज चार चतुर्भुज दसभुज अति सोहे।

तीनो रूप निरखते त्रिभुवन जन मोहे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारी।

त्रिपुरारी कंसारी कर माला धारी॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघम्बर अंगे।

सनकादिक ब्रहमादिक भूतादिक संगे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

कर के मध्य कमण्डलु चक्र त्रिशूल धर्ता।

सुखकारी दुखहारी जगपालन कारी॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका।

प्रणवाक्षर में शोभित ये तीनों एका॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

त्रिगुण स्वामी जी की आरती जो कोई नर गावे।

कहत शिवानन्द स्वामी सुख संपति पावे॥ ॐ जय शिव ओंकारा॥

Shiv Ji ki Aarti Lyric in English

om jay shiv omkara, bhaj har shiv omkara.

brahma, vishnu, sadaashiv, bhaavanaashakti dhaara shnu om jay shiv omkara kaara

ekaanan chaturaanan panchaanan raaje.

hansaasan garoodaasan vrshavaahan saaje da om jay shiv omkara kaara

do bhuj chaar chaturbhuj dasabhuj ati sohe.

teeno roop nirakhate tribhuvan jan mohe te om jay shiv omkara kaara

akshamaala vanamaala mundamaala dhaaree.

tripuraaree kansaaree kar granth dhaaree sa om jay shiv omkara kaara

shvetaambar peetaambar baaghabar ange.

sanakaadik brahamaadik bhootaadik sange ham om jay shiv omkara kaara

kar ke madhy kamandalu chakr trishool dharta.

पूजा और किसी भी त्यौहार पर हिन्दू देवी देवताओ की आरती लिरिक्स का एक मात्र स्थान - **आरती संग्रह**